जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 24 फरवरी 2020

जामिया में चीन की फिल्मों का उत्सव

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एमएमएजे एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, में यूजीसी चाइना स्टडीज प्रोग्राम ने 20 फरवरी, 2020 को चीन की फिल्मों के उत्सव का आयोजन किया।

इसमें समकालीन महत्व की दो फिल्में प्रदर्शित की गईं, माई पीपल, माई कंट्री (2019) और डाईंग टू सर्वाइव (2018)। बाद में इन फ़िल्मों पर चर्चा हुई।

आईसीडब्ल्यूए के डॉ. संजीव कुमार को माई पीपल, माई कंट्री, पर चर्चा शुरू करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस फिल्म में चीन के कम्युनिस्ट शासन, पहला परमाणु परीक्षण, खेलों में उत्कृष्टता, अंतरिक्ष मिशन और अन्य मुद्दों पर चीन सरकार के प्रयासों को दर्शाया गया है।

डॉ. संजीव ने इस तथ्य की ओर भी ध्यान आकर्षित किया कि बाहर से देखने पर चीन भले ही पूर्वी एशिया में एक आत्मनिर्भर और प्रभावशाली देश लगता है, फिर भी कई ऐसे मुद्दे हैं जो अभी भी चीनी समाज को परेशान कर रहे हैं। ये मुद्दे बहुत गंभीर भी हंै, जो पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना के सत्तर साल बाद भी सत्ताधारी, कम्युनिस्ट पार्टी की चिंता बने हुए हैं। चीनी क्रांति की 70वीं वर्षगांठ मनाने के लिए बनाई गई, माई पीपल, माई कंट्री, एक बहुप्रयोजन फिल्म है, जिसमें चेन कैज जैसे कई प्रमुख फिल्म निर्माताओं ने अपनी लघु फिल्मों के ज़रिए, चीन के महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर करने की कोशिश की है।

दोपहर में, जेएनयू के डॉ. हेमंत अदलखा द्वारा फिल्म 'डाइंग टू सर्वाइव' पर चर्चा की गई। इस फिल्म ने चीन में स्वास्थ्य क्षेत्र के पहलू पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है और यह बताया गया है कि कैसे बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने जीवन रक्षक दवाओं के उत्पादन के बजाय पैसा बनाने पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित किया है।

इस फिल्म में भारत सरकार की नीतियों से तुलना करते हुए बताया गया है कि कैसे वहां जीवन

रक्षक दवाओं की कम लागत को बनाए रखा गया है। यही वजह है कि भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र विदेशों के साथ-साथ कई लोगों के लिए एक बड़ा आकर्षण है।

इस फिल्म उत्सव में एआईएस और जामिया के अन्य विभागों के पचास से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक